



8/अथ पन्नावाली पेशा उग्रप चक्र उग्रप
 प्रतिक्रिया के मन्त्री आशु
 अन्वेषी सं. 1 श्रीमान निम्न
 कमेन्टर मन्त्री सिरेहीन जादि
 पन्नाक विधि/पा॥-१२ दिनांक १२-५२
 हस्त उनकी कार से परकी हेतु मन्त्री उग्र
 हावुरोड ही कविकृत किया। पन्नावाली
 वास्ते जवाक हेतु दिनांक २२/अथ
 दोपेश ही।


 सहायक प्रमुख
 वाद-पर्व

२२/अथ पन्नावाली पेशा
 उग्रप चक्र उग्रप कविकृत जवाक
 उग्रप कविकृत नही पाए हेतु
 जवाक सं. किया पाया हेतु
 मन्त्री मूल वाद को पुनः
 नेट पर लेने हेतु कवापसे
 जादि ही।

ज्ञान! दिनांक ५/अथ पन्ना
 ०-१-२-५ सपावित् न्वा १५
 पर को स्वीकार कर दिनांक
 अन्वेषी मूल वाद को पुनः
 पुनः कर नेट पर लेने हेतु
 कोदेश दिए जाते ही।

पन्नावाली मूल वाद
 हाकर नेट से कविकृत।


 सहायक प्रमुख
 वाद-पर्व

